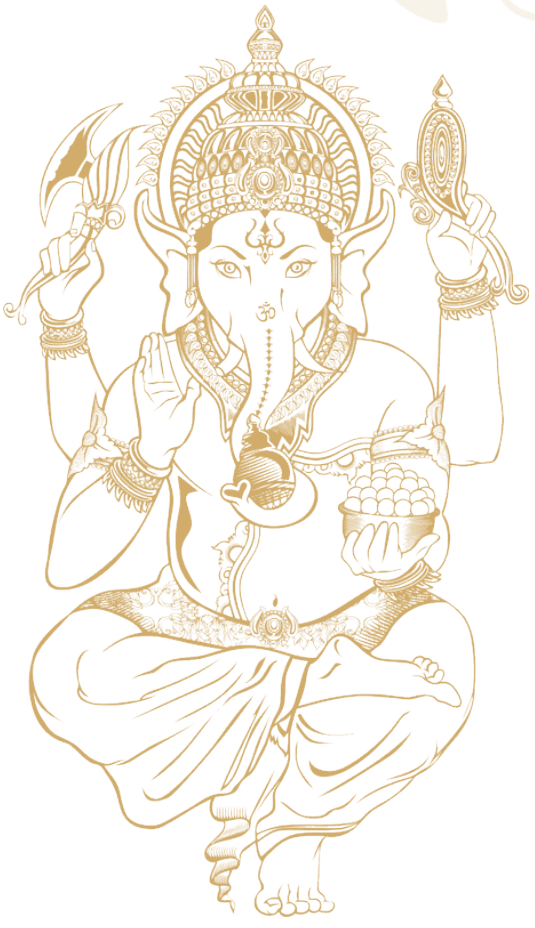

Ms. Himangi

04 Dec 2009

09:38 PM

Kanpur

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121636402

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**04/12/2009**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**21:38:00 घंटे**
इष्ट	37:23:39 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:28:00 उत्तर
रेखांश	80:41:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:07:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:30:44 घंटे
वेलान्तर	00:09:48 घंटे
साम्पातिक काल	02:25:08 घंटे
सूर्योदय	06:40:32 घंटे
सूर्यास्त	17:14:30 घंटे
दिनमान	10:33:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	18:38:37 वृश्चिक
लग्न के अंश	18:35:42 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुक्ल
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केसरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	18:35:42	311:35:17	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	---
सूर्य			वृश्चि	18:38:37	01:00:51	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	20:45:36	14:40:53	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			कर्क	24:08:50	00:11:13	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	नीच राशि
बुध			धनु	04:26:50	01:28:47	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
गुरु			मक	27:27:21	00:09:10	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	नीच राशि
शुक्र			वृश्चि	09:27:41	01:15:27	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
शनि			कन्या	09:14:39	00:04:04	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		धनु	27:34:39	00:00:48	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	नीच राशि
केतु	व		मिथु	27:34:39	00:00:48	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	नीच राशि
हर्ष			कुंभ	28:42:29	00:00:09	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
नेप			मक	29:56:38	00:01:00	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
प्लूटो			धनु	08:19:40	00:02:05	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव			मेष	14:40:17	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:00

लग्न-चलित

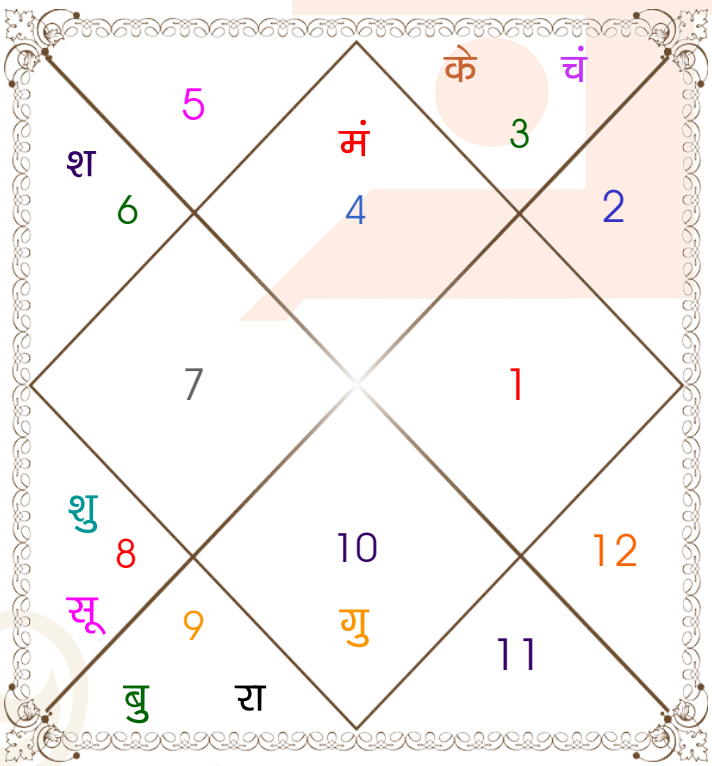

चन्द्र कुंडली

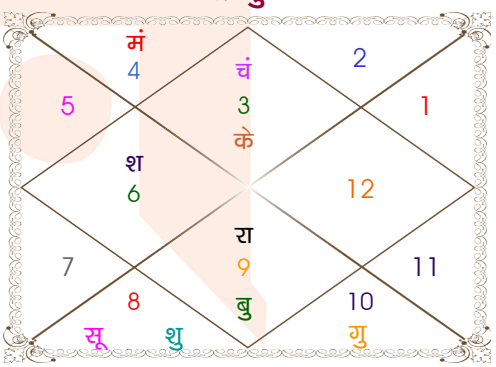

नवमांश कुंडली

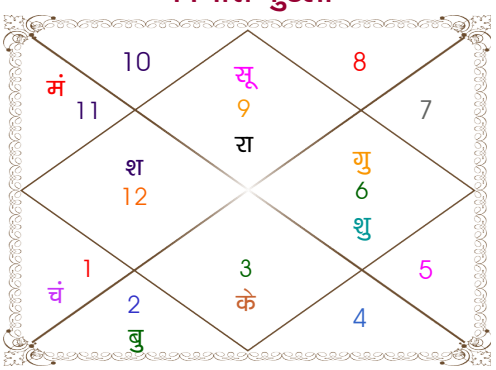

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 15 वर्ष 1 मास 1 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
04/12/2009		05/01/2025		06/01/2044		05/01/2061		06/01/2068	
05/01/2025		06/01/2044		05/01/2061		06/01/2068		06/01/2088	
गुरु	24/02/2011	शनि	09/01/2028	बुध	04/06/2046	केतु	03/06/2061	शुक्र	08/05/2071
शनि	06/09/2013	बुध	18/09/2030	केतु	01/06/2047	शुक्र	04/08/2062	सूर्य	07/05/2072
बुध	13/12/2015	केतु	28/10/2031	शुक्र	01/04/2050	सूर्य	09/12/2062	चंद्र	06/01/2074
केतु	18/11/2016	शुक्र	28/12/2034	सूर्य	05/02/2051	चंद्र	10/07/2063	मंगल	08/03/2075
शुक्र	20/07/2019	सूर्य	10/12/2035	चंद्र	07/07/2052	मंगल	07/12/2063	राहु	07/03/2078
सूर्य	07/05/2020	चंद्र	10/07/2037	मंगल	04/07/2053	राहु	24/12/2064	गुरु	05/11/2080
चंद्र	06/09/2021	मंगल	19/08/2038	राहु	21/01/2056	गुरु	30/11/2065	शनि	06/01/2084
मंगल	13/08/2022	राहु	25/06/2041	गुरु	28/04/2058	शनि	09/01/2067	बुध	06/11/2086
राहु	05/01/2025	गुरु	06/01/2044	शनि	05/01/2061	बुध	06/01/2068	केतु	06/01/2088

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
06/01/2088		06/01/2094		07/01/2104		07/01/2111		06/01/2129	
06/01/2094		07/01/2104		07/01/2111		06/01/2129		00/00/0000	
सूर्य	25/04/2088	चंद्र	06/11/2094	मंगल	04/06/2104	राहु	19/09/2113	गुरु	05/12/2129
चंद्र	24/10/2088	मंगल	07/06/2095	राहु	23/06/2105	गुरु	13/02/2116		00/00/0000
मंगल	01/03/2089	राहु	06/12/2096	गुरु	30/05/2106	शनि	20/12/2118		00/00/0000
राहु	24/01/2090	गुरु	07/04/2098	शनि	08/07/2107	बुध	08/07/2121		00/00/0000
गुरु	12/11/2090	शनि	06/11/2099	बुध	05/07/2108	केतु	26/07/2122		00/00/0000
शनि	25/10/2091	बुध	08/04/2101	केतु	01/12/2108	शुक्र	26/07/2125		00/00/0000
बुध	30/08/2092	केतु	07/11/2101	शुक्र	31/01/2110	सूर्य	20/06/2126		00/00/0000
केतु	05/01/2093	शुक्र	08/07/2103	सूर्य	08/06/2110	चंद्र	20/12/2127		00/00/0000
शुक्र	06/01/2094	सूर्य	07/01/2104	चंद्र	07/01/2111	मंगल	06/01/2129		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 15 वर्ष 1 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगी।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगी। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकती हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगी।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकती हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करती हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाती हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहती परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देश्यित लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत अधिक धन सम्पति बना सकती हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकती हैं। आप गले

के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकती है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।